

Inhalt

| | |
|---|------------|
| Widmung | 10 |
| Danksagung | 12 |
| Vorwort | 14 |
| Einleitung | 16 |
| | |
| Kinder und Träume | 18 |
| Vom Wert des Träumens | 19 |
| Wovon Kinder träumen | 24 |
| Sehnsucht nach einer heilen Familie | 24 |
| Streben nach einem erfüllten Leben | 26 |
| Forderung nach Umweltschutz und Arterhalt | 28 |
| Sehnsucht nach Frieden | 29 |
| Träume von einer anderen Welt | 31 |
| Gedanken über die Liebe | 33 |
| | |
| Kinder und ihre Sicht vom Leben | 36 |
| Über den Sinn des Lebens | 37 |
| Über das Menschsein | 39 |
| Vom Wert der Kindheit | 42 |
| Das heile Kind | 46 |
| Getrübte Kindheit | 49 |
| Genuss der Jugendzeit | 51 |
| Erwachsensein – Zeit der Erfahrung und Fülle | 58 |
| Erwachsensein – Zeit der Entbehrungen und der Leere | 62 |
| Achtung vor dem Alter | 66 |
| Die Dimension des Sterbens | 70 |
| | |
| Die Mutter-Kind-Beziehung | 76 |
| Das Bild von der Mutter | 81 |
| Liebeserklärungen | 85 |
| Störungen in der Mutter-Kind-Beziehung | 87 |
| Rollenvorstellungen | 91 |
| | |
| Die Vater-Kind-Beziehung | 92 |
| Das Bild vom Vater | 95 |
| Störungen in der Vater-Kind-Beziehung | 98 |
| Rollenvorstellungen | 101 |
| Vom Wert der Strenge | 103 |
| | |
| Vom Wert der Erziehung | 106 |
| | |
| Kinder und Religion | 112 |
| | |
| Zusammenfassung | 124 |
| | |
| Die Autorin | 132 |